HISTORY

वैदिक सभ्यता

VEDIC CIVILISATION

Result Mitra

- सिंधु घाटी सभ्यता के बाद जिस नवीन सभ्यता का विकास हुआ उसे हम वैदिक सभ्यता के नाम से जानते हैं। The new civilization that developed after the Indus Valley Civilization is known as Vedic Civilization.
- इस काल की जानकारी का महत्त्वपूर्ण वैदिक साहित्य से है, इसके अंतर्गत ऋग्वेद सर्वप्राचीन होने के कारण सर्वाधिक महत्वपूर्ण प्रतीत होता है। Important information about this period comes from Vedic literature, under which Rigveda seems to be the most important because it is the most ancient.

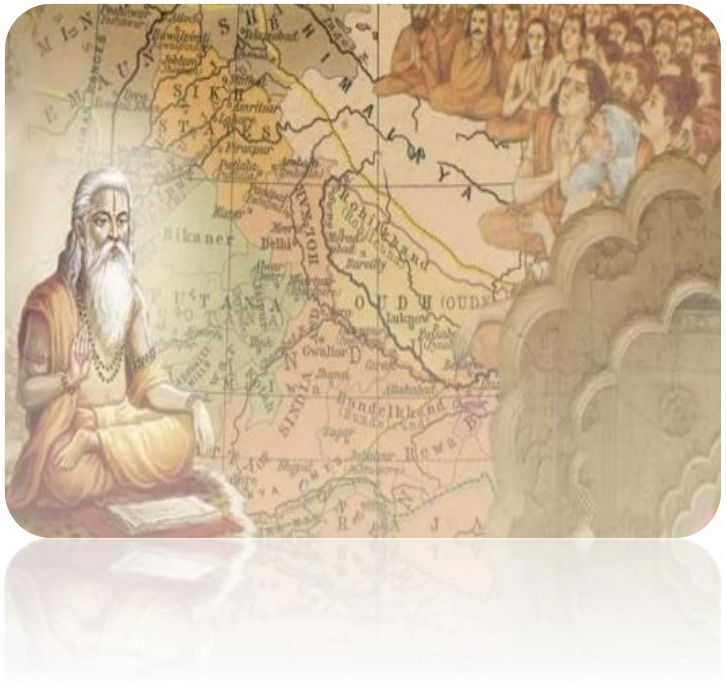

Result Mitra

वैदिक काल (1500 से 600 ई.पू.) का विभाजन
Division of Vedic period (1500 to 600 BC): –

- ऋग्वैदिक या पूर्व वैदिक काल (1500–1000 ई.पू.) Rigvedic or early Vedic period (1500–1000 BC)
- उत्तर वैदिक काल (1000–600 ई.पू.) में In the post-Vedic period (1000–600 BC).

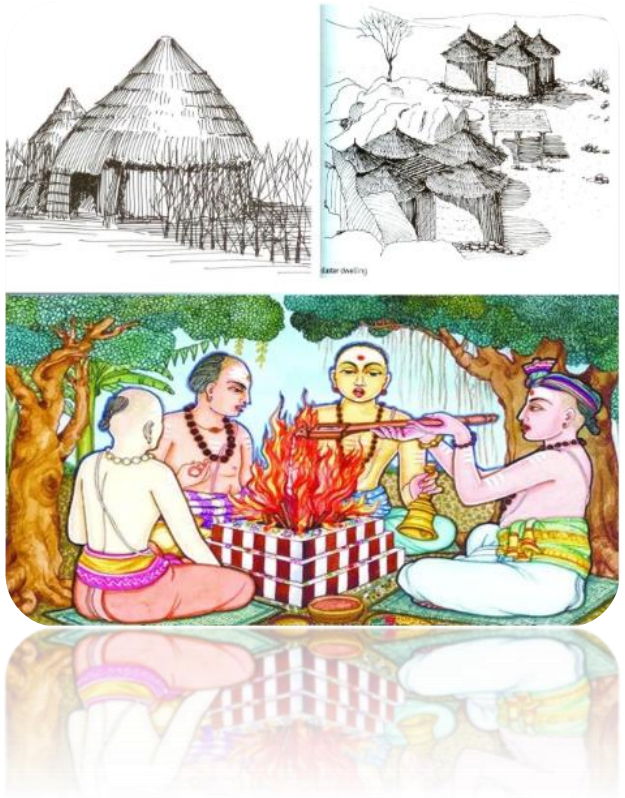

Result Mitra

वैदिक कालीन इतिहास को जानने के श्रोत:–

Sources to know the history of Vedic period:-

1. साहित्यिक-वेद, ब्राह्मण, आरण्यक तथा उपनिषद Literary-Veda, Brahmin, Aranyaka and Upanishad
2. पुरातात्विक Archaeological

वैदिककालीन साहित्यिक स्रोत Vedic period literary sources

- वेद-सूक्तों; प्रार्थनाओं, स्तुतियों, मंत्र-तन्त्रों तथा यज्ञ सम्बन्धी सूत्रों के संग्रह हैं। Veda-suktas; There are collections of prayers, hymns, mantras and sutras related to yagya.
- संकलनकर्ता-महर्षि कृष्ण द्वैपायन वेदव्यास हैं। Compiler-Maharishi Krishna Dwaipayan is Vedvyas.

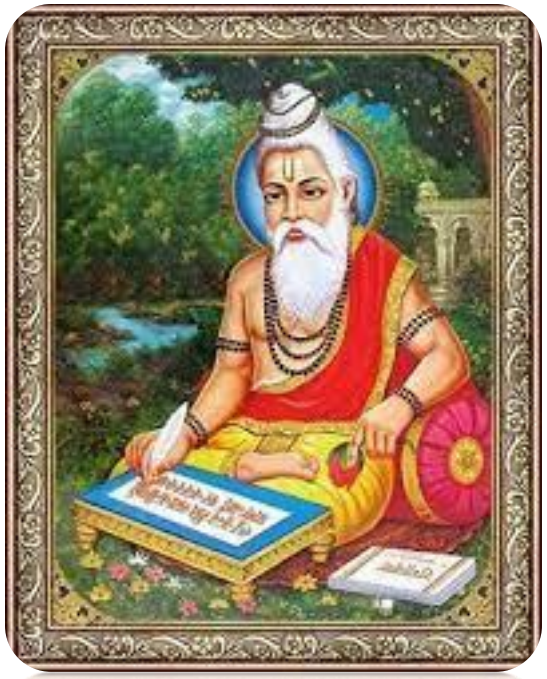

Result Mitra

- वेदों को संहिता भी कहा जाता है Vedas are also called Samhita
- वेदों का एक नाम 'श्रति भी है, क्योंकि लिपि बध्य किये जाने से पहले यह गुरु-शिष्य परम्परा में सुनाये/कण्ठस्थ कराये जाते थे। Vedas also have a name 'Shruti', because before they were written down, they were recited/memorised in the Guru-disciple tradition.

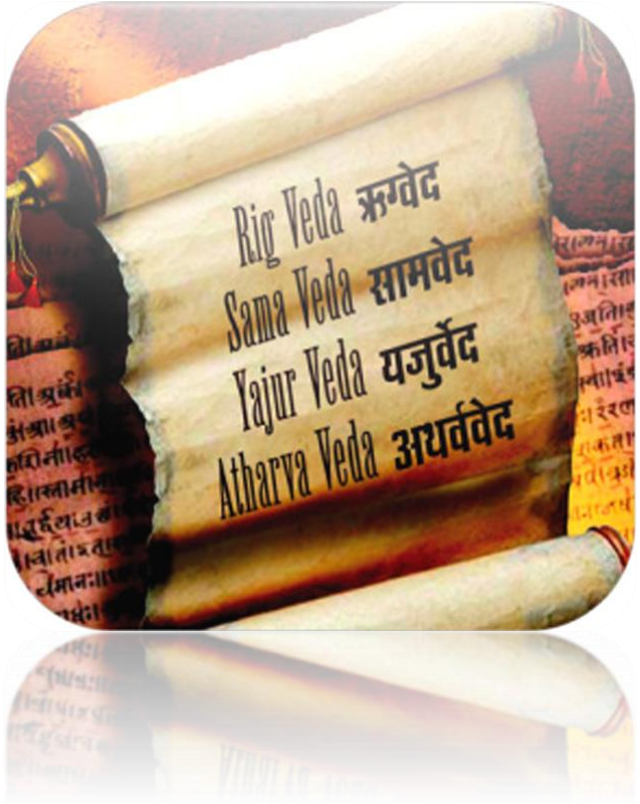

वेद चार हुए :– Vedas became four: –

- - ऋग्वेद, सामवेद, यजुर्वेद और अथर्ववेद - Rigveda, Samaveda, Yajurveda and Atharvaveda

ऋग्वेद Rigveda

- ऋग्वेद में देवताओं की स्तुति/प्रार्थना से सम्बंधित रचनाओं का संग्रह मिलता है। In Rigveda, a collection of compositions related to praise/prayers to the gods is found.
- ऋग्वेद 10 मंडलों में विभक्त है। इसमे 2 से 7 तक के मंडल प्राचीनतम माने जाते हैं। Rigveda is divided into 10 divisions. In this, divisions 2 to 7 are considered to be the oldest.

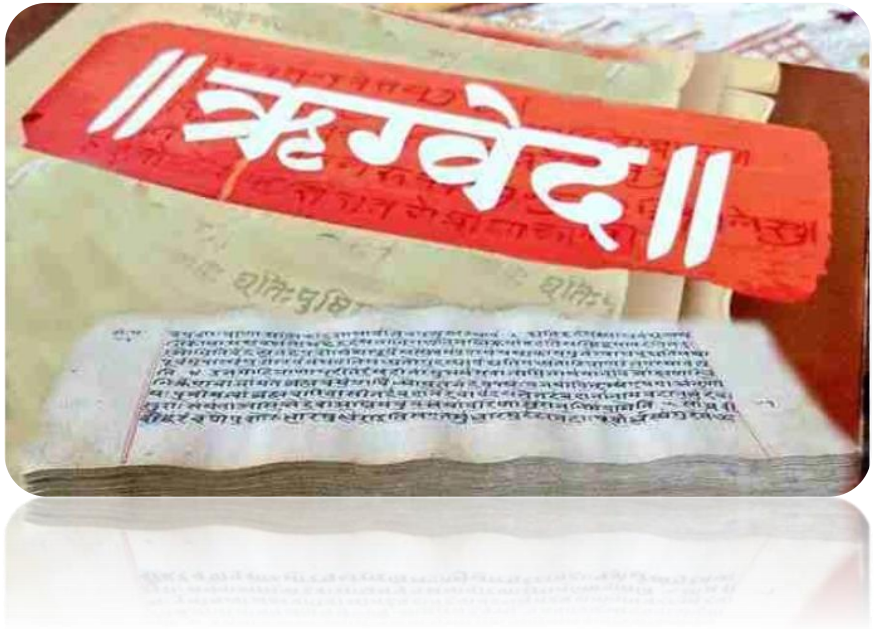

- प्रथम अष्टम, नवम एवं दशम मंडल बाद में जोड़े गए हैं। इसमें 1028 सूक्त (1017 साकल मे+11 बालखिल्य मे) और 10462 ऋचाएँ हैं। The first, eighth, ninth and tenth divisions were added later. It contains 1028 suktas (1017 in sakal + 11 in balkhilya) and 10462 richas.
- भाषा पद्यात्मक । Language poetic.
- ऋग्वेद में 33 प्रकार के देवों का उल्लेख मिलता है। There is mention of 33 types of gods in Rigveda.

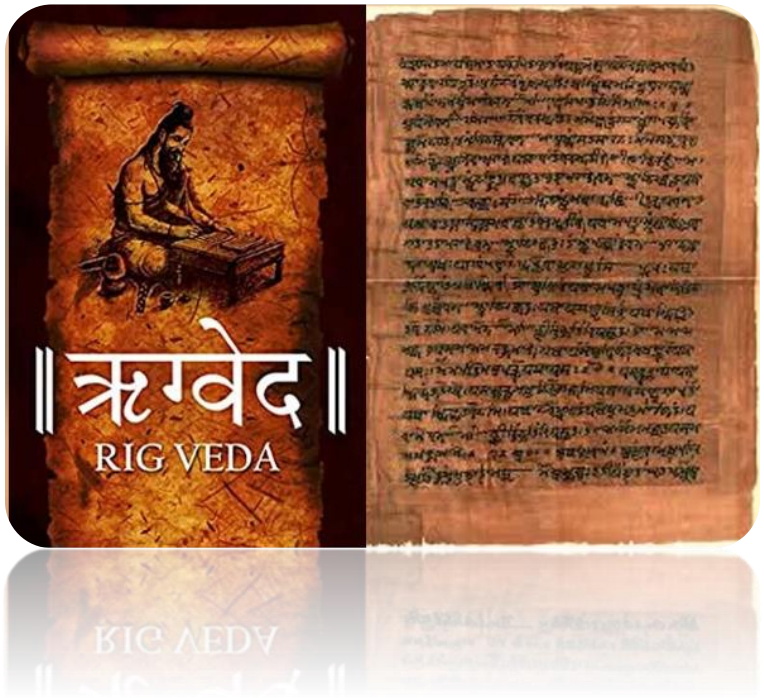

Result Mitra

- प्रसिद्ध गायत्री मंत्र जो सूर्य से सम्बंधित देवी गायत्री को संबोधित है, ऋग्वेद के तृतीय मंडल से लिया गया है। The famous Gayatri Mantra, addressed to the sun goddess Gayatri, is taken from the Third Mandal of the Rigveda.
- ऋग्वेद में मंत्र को कंठस्त करने में स्त्रियों के नाम भी मिलते हैं, जिनमें प्रमुख हैं- लोपामुद्रा, घोषा, शाची, पौलोमी आदि। In Rigveda, names of women are also found in memorizing mantras, prominent among them are Lopamudra, Ghosha, Shachi, Paulomi etc.
- इसके पाठ करने वाले को होत्र कहा गया है। The person who recites it is called Hotra.

Result Mitra

- गौत्र, शूद्र, वर्ण शब्द का सर्वप्रथम उल्लेख है। The words Gotra, Shudra and Varna are mentioned for the first time.
- 9 वां मंडल सोम को समर्पित हैं। The 9th mandala is dedicated to Soma.
- विश्वामित्र द्वारा रचित ऋग्वेद के तीसरे मंडल में सूर्य सावित्री को समर्पित गायत्री मंत्र है। Gayatri Mantra is dedicated to Surya Savitri in the third mandala of Rigveda composed by Vishwamitra.

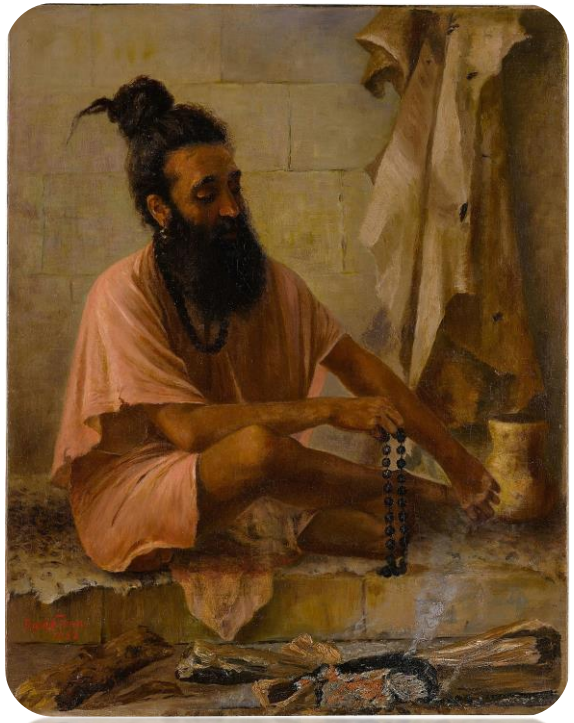

Result Mitra

- इसके प्रथम श्लोक मे अग्नि का उल्लेख है। Fire is mentioned in its first verse.
- कई स्थानो पर ऋषभदेव का उल्लेख मिलता है। Rishabhdev is mentioned at many places.
- ऋग्वेद में नियोग तथा विधवा विवाह का आभास The impression of engagement and widow marriage in the Rig Veda

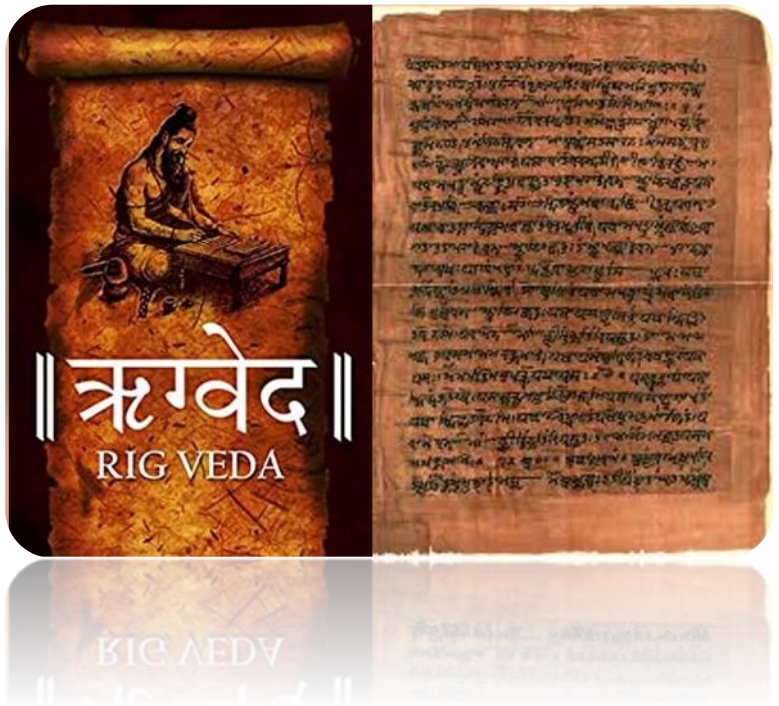

Result Mitra

	पूर्व वैदिक काल	उत्तर वैदिक काल
समय	1500-1000 ई. पू.	1000-600 ई. पू.
भौगोलिक विस्तार	भारती उपमहाद्वीप	भारतीय उपमहाद्वीप
युग	कांस्य युग	लौह युग
पूर्ववर्ती	सिंधु घाटी सभ्यता	प्रारंभिक वैदिक काल (जनपद)
परवर्ती	उत्तर वैदिक कला, कुरू साम्राज्य, पांचाल, राजवंश, कोशल, राजवंश, विदेह राजवंश	हर्यक वंश, महाजनपद

यजुर्वेद yajurveda

- यजु – अर्थ – यज्ञ Yaju – Meaning – Yagya
- मंत्रों तथा बलि के समय अनुपालन के लिए नियमों का संकलन। Compilation of mantras and rules to be followed at the time of sacrifice.
- पाठकर्ता – अध्वर्यु Reader – Adhvaryu
- धनुर्विद्या का उल्लेख mention of archery
- यजुर्वेद में यज्ञ की विधियों का वर्णन किया गया है। The methods of Yagya have been described in Yajurveda.

Result Mitra

- इसमे मंत्रों के साथ साथ धार्मिक अनुष्ठानों का भी विवरण है It contains details of religious rituals along with mantras.
- इसकी भाषा पद्यात्मक एवं गद्यात्मक दोनों। Its language is both poetic and prose.
- यजुर्वेद दो शाखाओं में विभाजित - कृष्ण यजुर्वेद तथा शुक्ल यजुर्वेद। Yajurveda divided into two branches – Krishna Yajurveda and Shukla Yajurveda.

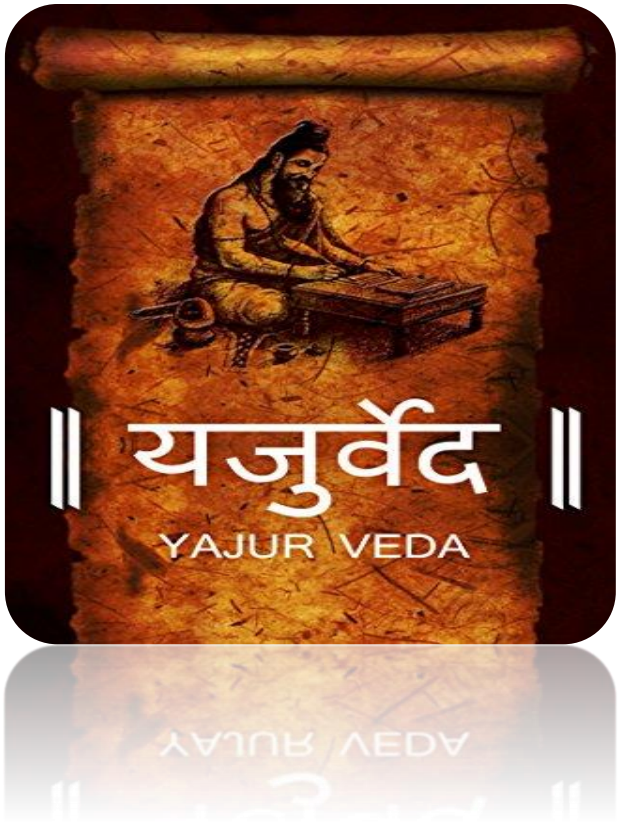

Result Mitra

- कृष्ण यजुर्वेद की चार शाखाएं हैं- मैत्रायणी संहिता, काठक संहिता, कपिन्थल तथा संहिता। There are four branches of Krishna Yajurveda – Maitrayani Samhita, Kathak Samhita, Kapinthal and Samhita.
- शुक्ल यजुर्वेद (वाजसनेय शुक्ल) की दो शाखाएं हैं- मध्यान्दीन तथा कण्व संहिता। शुक्ल यजुर्वेद पद्य में मिलता है Shukla Yajurveda (Vajasaneya Shukla) has two branches – Madhyandin and Kanva Samhita. Shukla is found in Yajurveda verse
- धनुर्वेद 'यजुर्वेद का उपवेद' कहा जाता है। Dhanurveda is called 'Upveda of Yajurveda'.

सामवेद Samveda

- 'भारतीय संगीत का जनक' 'Father of Indian music'
- सामवेद की रचना का उद्देश्य ऋग्वेद में दिए गए मंत्रों को गाने योग्य बनाने हेतु। The purpose of composing Samaveda was to make the mantras given in Rigveda suitable for singing.
- सामवेद का ऋत्विक 'उद्गाता' कहलाता था Ritvik of Samveda was called 'Udgata'

Result Mitra

- इसमे 1810 छंद हैं जिनमें 75 को छोड़कर शेष सभी ऋग्वेद से प्राप्त होते है। It has 1810 verses, of which all except 75 are derived from the Rigveda.
- -सामवेद दो भाग में विभाजित - (1) पूर्वार्धिक तथा (2) उत्तरार्चिक। -Samveda is divided into two parts - (1) Purvardhika and (2) Uttararchika.

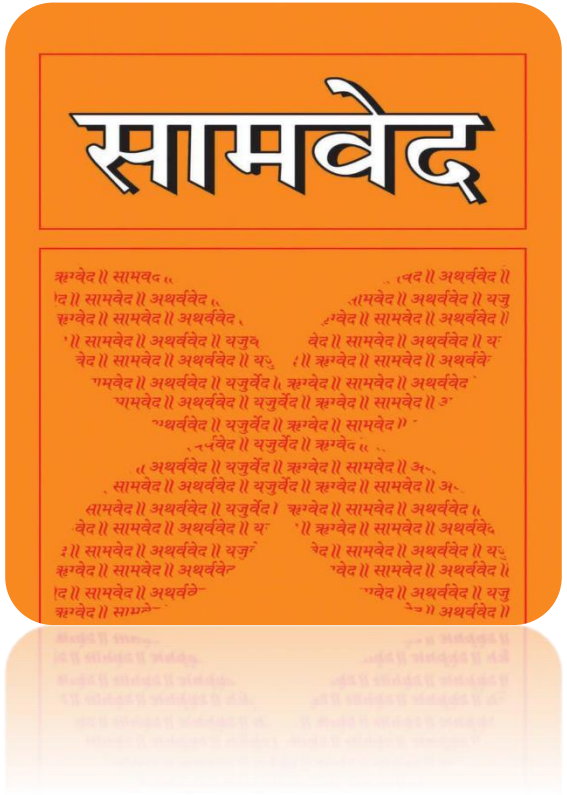

- सामवेद की तीन शाखाएं- कौथुम, राणायनीय और जैमनीय। There are three branches of Samaveda – Kauthum, Ranayaniya and Jainiya.
- सामवेद के ब्राह्मण ग्रंथ पंचविश, ताण्डय, जैमिनीय है The Brahman texts of the Sama Veda are Panchavish, Tandaya and Jaimini

Result Mitra

- सामवेद का उपवेद – गंधर्व-वेद The sub-Vedas of the Samaveda – the Gandharva-Veda
- (यह भरत,नारद मुनि से संबंधित है इसमें गायन,नृत्य आदि वर्णित हैं) (It is related to Bharat, Narad Muni, singing, dancing etc. are described in it)
- यजुर्वेद तथा सामवेद में किसी भी ऐतिहासिक घटना का वर्णन नहीं | There is no description of any historical event in Yajurveda and Samaveda.

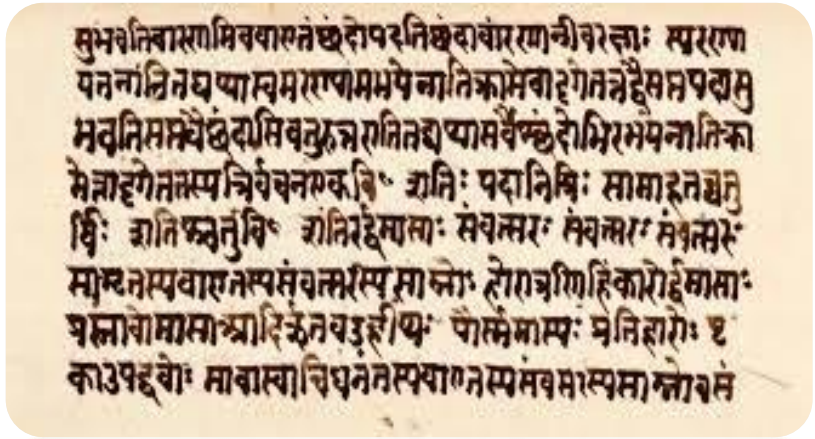

अथर्ववेद Atharvaveda-

- संकलन :– तत्कालीन लोक परम्पराओं का, अन्धविश्वास तथा विभिन्न प्रकार की औषधियों का। Compilation: – Of the then folk traditions, superstitions and different types of medicines.
- इसको बह्मवेद भी कहा जाता है। It is also called Brahmaveda.
- इसमें में राजा परीक्षित का उल्लेख। There is mention of King Parikshit in this.

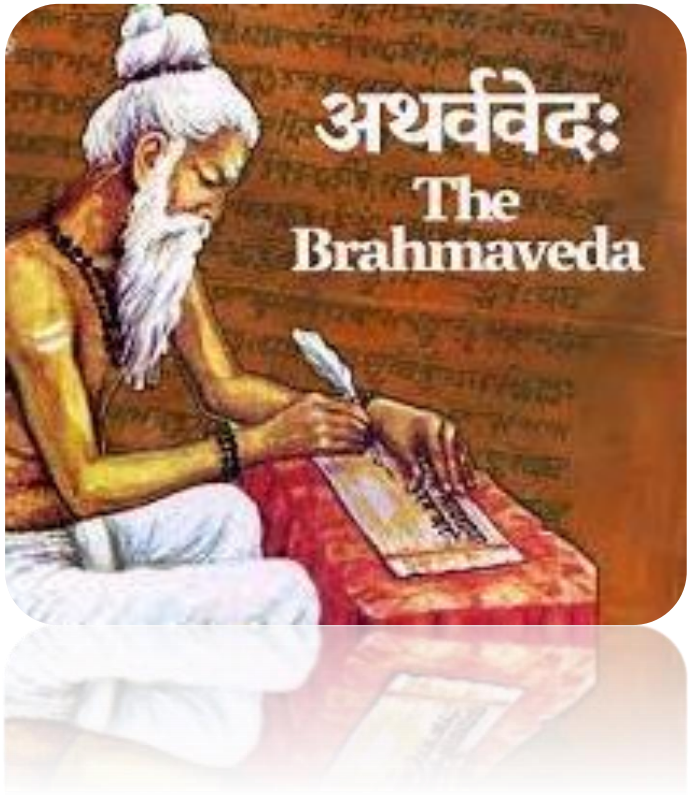

Result Mitra

- अथर्ववेद के -मुण्डक', 'प्रश्न' तथा 'माण्डूक्य' उपनिषद | The -Mundaka', 'Prashna' and 'Mandukya' Upanishads of the Atharva Veda
- एक महिला द्वारा दूसरा विवाह करने का उल्लेख मिलताहै। There is mention of a woman marrying a second time.
- अथर्ववेद का उपवेद-'शिल्पवेद' । The sub-Vedas of the Atharva Veda-'Shilpaveda'

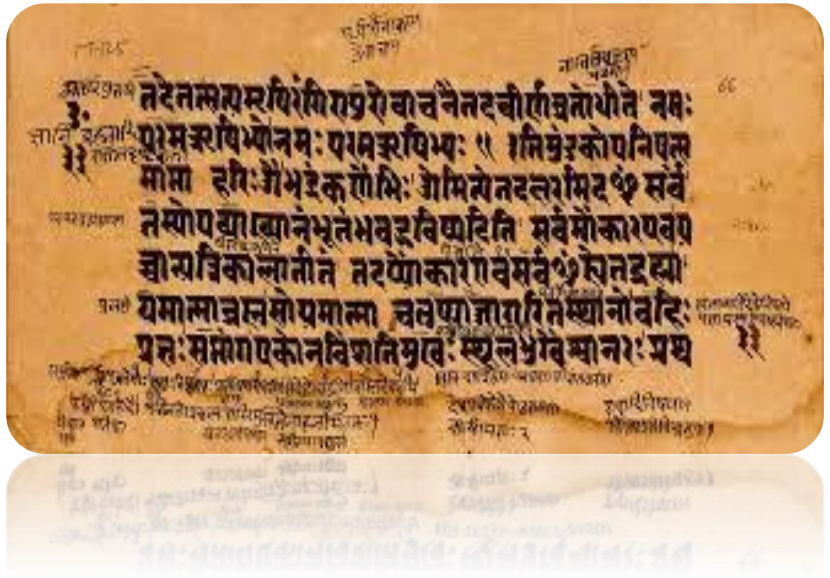

- अथर्ववेद में सभा एवं समिति को प्रजापति की दो पुत्रियाँ कहा गया है। In Atharvaveda, Sabha and Samiti have been called two daughters of Prajapati.
- सबसे प्राचीन वेद ऋग्वेद एवं सबसे बाद का वेद अथर्ववेद है। The oldest Veda is the Rigveda and the latest is the Atharvaveda.

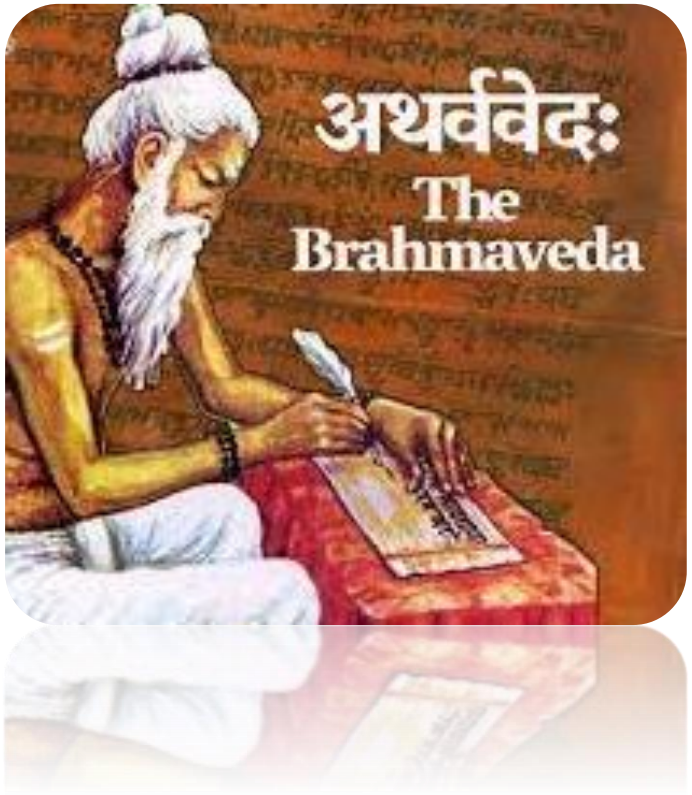

Result Mitra

ब्राह्मण ग्रंथ Brahmin texts

- वैदिक मन्त्रों तथा संहिताओं को ब्रह्म की संज्ञा दी गई है। Vedic mantras and codes have been given the name of Brahma.
- तो वहीं ब्रह्म के विस्तारित रुप को ब्राह्मण कहा गया है। So the expanded form of Brahma has been called Brahmin.
- यह मुख्यत: गद्य शैली में रचित है। It is mainly written in prose style.

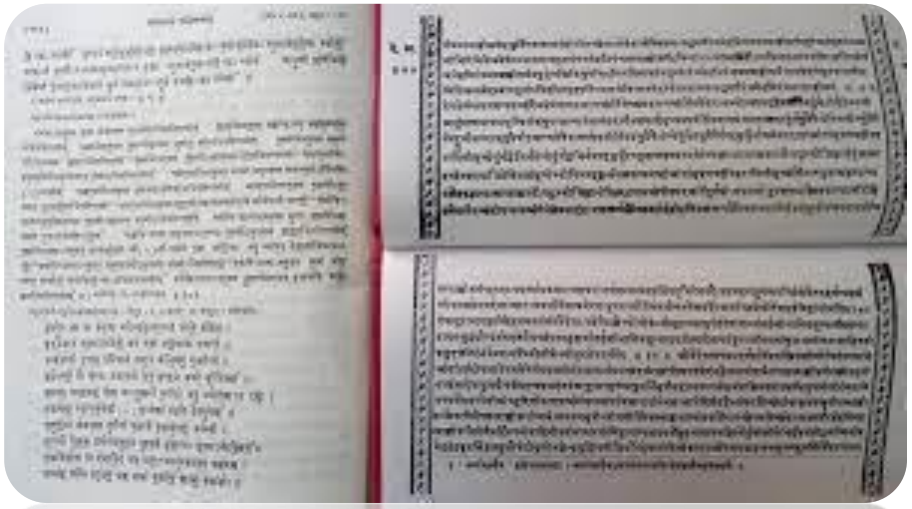

- ब्राह्मण ग्रंथों से हमें बिम्बिसार के समय के पूर्व की घटना की जानकारी प्राप्त होती है। From Brahmin texts we get information about events before the time of Bimbisara.
- ऐतरेय ब्राह्मण में आठ मंडल और पाँच अध्याय हैं। इसे पंजिका भी कहते है। Aitareya Brahmana has eight mandalas and five chapters. It is also called register.
- ऐतरेय ब्राह्मण में राज्याभिषेक के नियम प्राप्त होते हैं। The rules for coronation are found in Aitareya Brahmana.

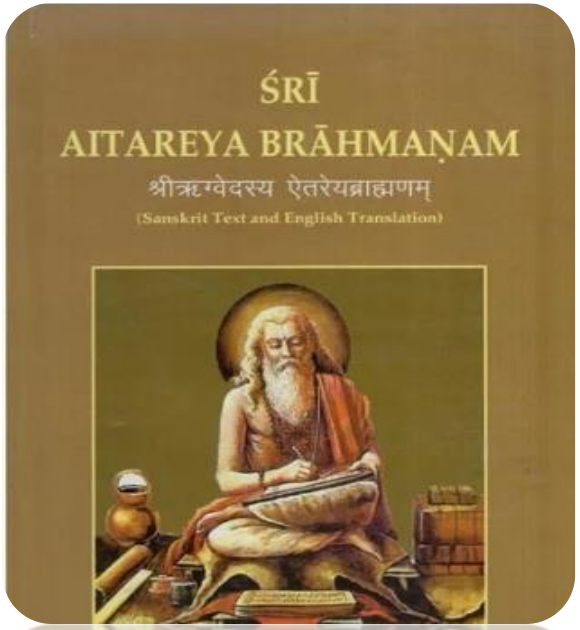

Result Mitra

- तैतरीय ब्राह्मण कृष्णयजुर्वेद का ब्राह्मण है। The Taitriya Brahmana is the Brahmana of the Krishna Yajurveda.
- ब्राह्मण ग्रन्थों से कर्मकाण्ड तथा दर्शन सम्बन्धी जानकारी मिलती है। Information related to rituals and philosophy is available from Brahmin texts.

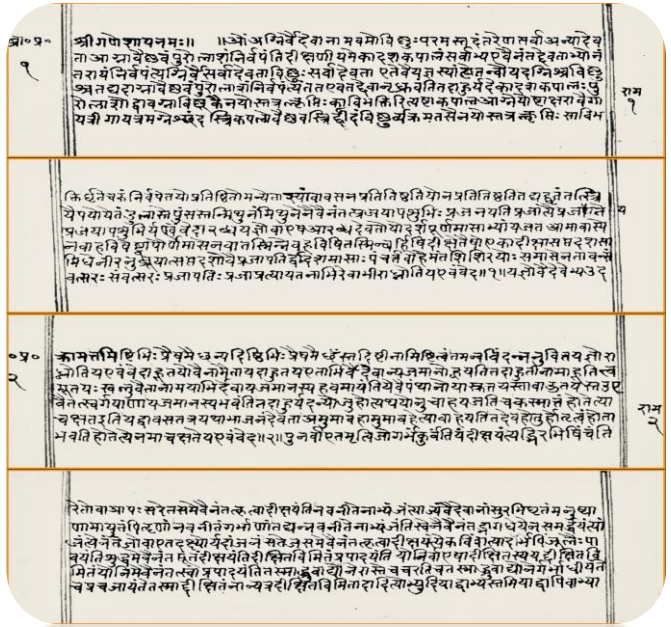

आरण्यक Aranyaka

- आरण्यक वेदों का वह भाग है जिसका पाठ गृहस्थाश्रम त्याग करने के उपरान्त वानप्रस्थ लोग जंगल में किया करते थे | Aranyaka is that part of the Vedas which the Vanaprastha people used to recite in the forest after leaving the family home.
- वनों में रचे जाने के कारण आरण्यक नामकरण किया गया। It was named Aranyaka because it was created in the forests.
- इसका प्रमुख विषय – रहस्यवाद, प्रतीकवाद, यज्ञ और पुरोहित दर्शन।

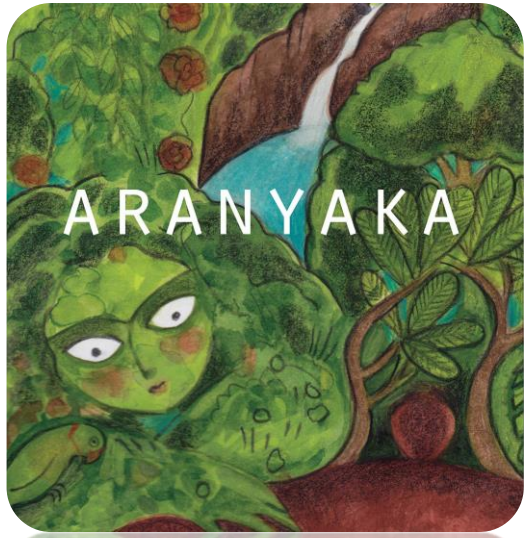

- इसका प्रमुख विषय – रहस्यवाद, प्रतीकवाद, यज्ञ और पुरोहित दर्शन। Its main subjects – mysticism, symbolism, yagya and priestly philosophy.
- वर्तमान में सात अरण्यक उपलब्ध हैं :– ऐतरेय, तैत्तिरीय, माध्यन्दिन, शांखायन, मैत्रायणी, तलवकार तथा वृहदारण्यक। At present there are seven Aranyakas available: Aitareya, Taittiriya, Madhyandina, Shankhayana, Maitrayani, Talavakara and Vrihadaranyaka.

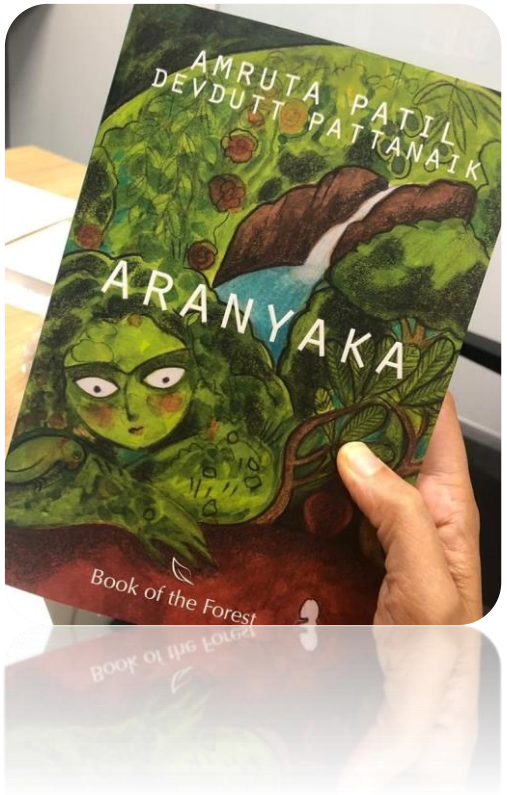

- **कर्ममार्ग की अपेक्षा ज्ञानमर्ग पर अधिक बल।**
  More emphasis on the path of knowledge rather than the path of action.
- **आरण्यकों में दार्शनिक विचार संकलित।**
  Philosophical thoughts compiled in Aranyakas.

उपनिषद Upanishad -

- यह भारतीय दार्शनिक विचारों का प्राचीनतम संग्रह। This is the oldest collection of Indian philosophical thoughts.
- इनमें शुद्धतम ज्ञानपेक्ष पर बल दिया गया है। In these, emphasis has been laid on the purest aspect of knowledge.
- 'भारतीय दर्शन का स्रोत अथवा पिता' माना जाता है। Is considered the 'source or father of Indian philosophy'.

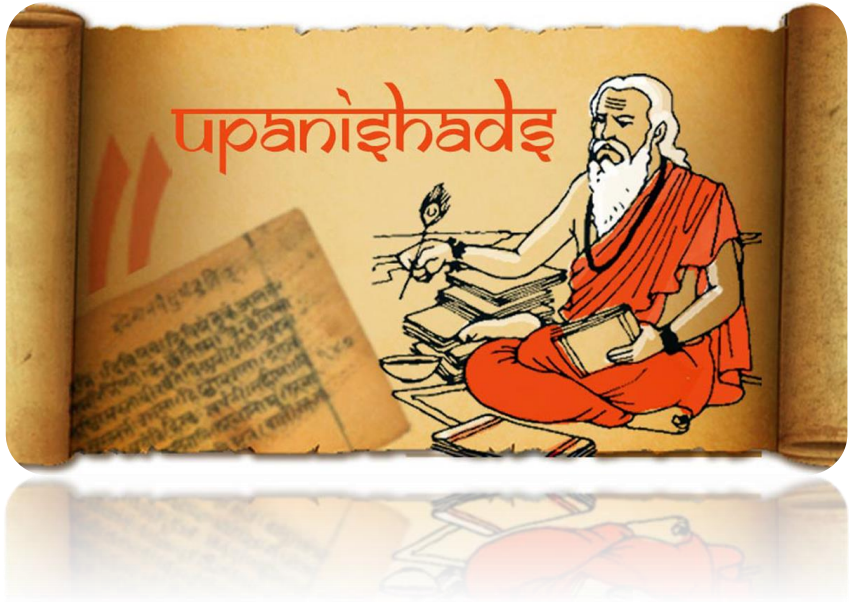

- उपनिषदों की कुल संख्या 108 बतायी जाती है। इनका संबंध वेदों से हैं। जिनमें 13 को मूलभूत उपनिषदों The total number of Upanishads is said to be 108. These are related to the Vedas. Of which 13 are considered fundamental Upanishads.
- की श्रेणी में रखा गया है। इसमें यज्ञ से जुड़े दार्शनिक विचार, शरीर, ब्रह्माण्ड, आत्मा तथा ब्रह्म की व्याख्या की गई है। Has been placed in the category of. In this, the philosophical ideas related to Yagya, body, universe, soul and Brahma have been explained.

- **जाबालोपनिषद् में चारों आश्रमों का उल्लेख मिलता है। There is mention of all four ashrams in Jabalopanishad.**
- **स्त्री की सर्वाधिक गिरी हुई स्थिति मैत्रयनी संहिता से प्राप्त। The most degraded status of women is derived from Maitrayani Samhita.**

Result Mitra

- शतपथ ब्राह्मण में स्त्री को पुरुष की अर्धांगिनी कहा गया है। In Shatapatha Brahmana, woman has been called the better half of man.
- स्मृतिग्रंथों में सबसे प्राचीन एवं प्रामाणिक मनुस्मृति । Manusmriti is the most ancient and authentic among the scriptures.

Result Mitra

- कठोपनिषद में यम तथा नचिकेता का संवाद वर्णित है (यमराज ने नचिकेता को अध्यात्म तत्त्व की शिक्षा दी।) The dialogue between Yama and Nachiketa is described in Kathopanishad (Yamraj taught Nachiketa about spiritual principles.)
- भारत का राष्ट्रीय आदर्श वाक्य 'सत्यमेव जयते' मुण्डकोपनिषद् में उल्लिखित। The national motto of India 'Satyameva Jayate' mentioned in the Mundaka Upanishad.

वैदिक काल में प्रमुख नदियाँ

वर्तमान नाम	प्राचीन नाम
सिन्धु	सिन्धु
अस्विनी	चिनाव
शतुद्रि	सतलज
वितष्ता	झेलम
विपासा	व्यास
परूष्णी	रावी
कुर्रम	कुरभू

वर्तमान नाम	प्राचीन नाम
सुरसती	सरस्वती
गण्डक	सदानीरा
गोमल	गोमती
स्वात	सुवास्तु
काबुल	कुभा
घग्घर	द्रषद्वती

Result Mitra

कुछ अन्य महत्त्वपूर्ण तथ्य Some other important facts

- ऋग्वेद में गंगा का उल्लेख एक बार। Ganga is mentioned once in Rigveda.
- यमुना का उल्लेख तीन बार। Yamuna is mentioned three times.

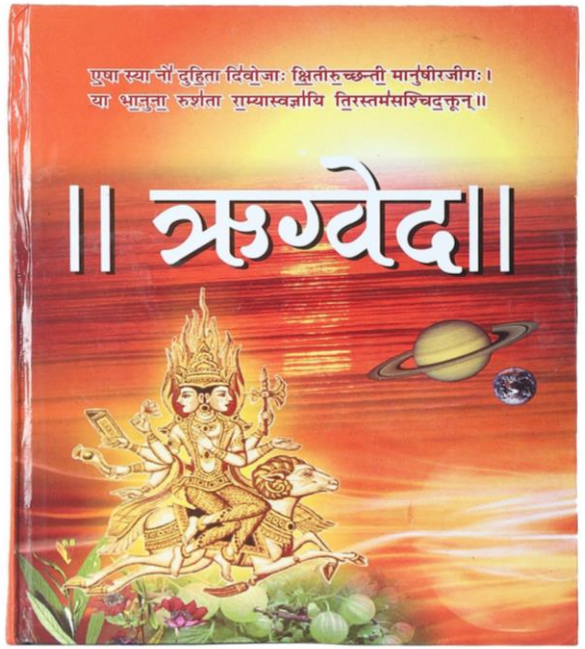

- वैदिक काल में पूरब में बहने वाली नदी गंगा थी तो वही पश्चिम में कुभा (काबुल) नदी। In the Vedic period, the river flowing in the east was Ganga and in the west was Kubha (Kabul) river.
- ऋग्वेद में समुद्र में गिरने वाली नदियाँ सिन्धु तथा सरस्वती का उल्लेख। The Rig Veda mentions the rivers Indus and Saraswati that fall into the sea.

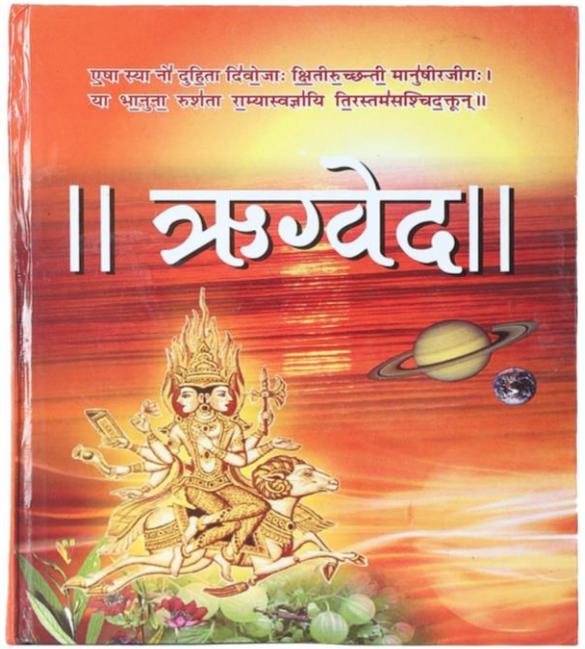

Result Mitra